



# वृन्दावन शोध संस्थान

संस्कृति विभाग उ० प्र० तथा भारत सरकार द्वारा अनुदानित

(संस्थापक : डॉ० रामदास गुप्त, १९६८)

## VRINDAVAN RESEARCH INSTITUTE

Financed by Department of Culture Govt. of U.P. & Govt. of India

(Founder : Dr.R.D.Gupta, 1968)

फा०सं० 08/लाइब्रेरी/वृ०शो०सं०/2018-19/208

दिनांक : 20.06.2018

*Speed Post*

सेवा में,

प्रो० रमाकान्त शर्मा (चूलेट)  
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान,  
जोरावर सिंह गेट,  
आमेर रोड़,  
जयपुर-302002

महोदय,

आपके पत्रांक सं. एनएएसी/एनआईए/2017 दिनांक 4 जून, 2018 द्वारा प्रेषित आयुर्वेद संबंधी पाण्डुलिपियों के शोध अध्ययन हेतु एम०ओ०यू० पर हस्ताक्षर कर आपको एम०ओ०यू० की एक प्रति संलग्न भेजी जा रही है। वृन्दावन शोध संस्थान की पाण्डुलिपियों पर शोध अध्ययन संबंधी नियमावली की एक प्रति भी आपके उपयोगार्थ संलग्न कर भेजी जा रही है। आशा है कि आयुर्वेद ग्रन्थों पर शोध कार्य की दिशा में प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा।

भवदीय,

*20/6/2018*  
(सतीश चन्द्र दीक्षित)  
निदेशक

संलग्नक : एमओयू तथा नियमावली की प्रति

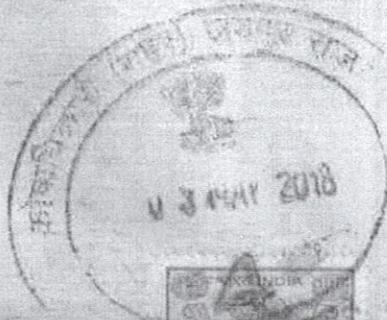
रामण रेती मार्ग, वृन्दावन-२८११२१ उ० प्र०, भारत, फोन. ९१-०५६५-२५४०६२८, ६४५०७३१ फैक्स २५४०५७३

Raman Reti Marg, Vrindavan-281121 U.P., India, Phone 91-0565-2540628, 6450731 Fax 2540576

e-mail- vrindavanresearch@gmail.com \* website: www.vrindavanresearchinstitute.org

॥ ग्रन्थ प्रभु के विग्रह हैं ॥

*SK*



राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 के अन्तर्गत स्टाम्प राशि पर प्रयोज्य अधिमात्र	
1. आधारभूत अर्थ सेवा सुविधाओं हेतु (धारा 3-क) - 10% रुपये	10/-
2. माध्य और उसके चरम के संरक्षण और संवर्धन हेतु (धारा 3-ख) - 10% रुपये	10/-
कुल योग 20/-	
हस्ताक्षर स्टाम्प वेण्डर	

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जोरावर सिंह गेट, आमेर रोड, जयपुर तथा  
वृन्दावन शोध संस्थान, रमणरेती मार्ग वृन्दावन (उ. प्र.) के मध्य  
समझौता ज्ञापन पत्र (Memorandum of Understanding)

यह समझौता ज्ञापन (M.O.U.) राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जोरावर सिंह गेट, आमेर रोड, जयपुर तथा वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन द्वारा आपस में सम्मिलित सहयोग, पाण्डुलिपियों, उपलब्ध दुर्लभ पुस्तकों को हस्तलिपियों आदि के विषय में वृन्दावन शोध संस्थान, रमणरेती मार्ग वृन्दावन (उ. प्र.) तथा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के मध्य की शर्तों, नियमों एवं प्रतिबद्धताओं को निर्धारित एवं सूचित करता है।

वृत्तभूमि:-

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 7 फरवरी 1976 को जयपुर में संस्थापित यह राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, अपना राष्ट्रीय स्वरूप एवं अन्तर्राष्ट्रीय पहचान रखता है। अनुसंधान, शिक्षण स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के अतिरिक्त यह संस्थान एक पाण्डुलिपि इकाई का भी संचालन करता है जो इस संस्थान के साहित्यिक शोध Literacy Research के रूप में संस्थान के मौलिक सिद्धान्त विभाग द्वारा संचालित होती है। यह इकाई आयुर्वेदिक ग्रन्थों, संदर्भ ग्रन्थों, विविध प्राचीन टाकाओं, पाण्डुलिपियों का रख रखाव, उनका कम्प्यूटरीकरण, Digitalization, संरक्षण के साथ साथ उपलब्ध आयुर्वेद की पाण्डुलिपियों के संग्रहण व संरक्षण का कार्य भी करता है।

वृन्दावन शोध संस्थान डा. रामदास गुप्त द्वारा सन् 1968 में संस्थापित किया गया था जो वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किया जाता है, तथा साहित्यिक शोध के संस्थानों में अग्रणी शोध संस्थान है जो विविध शोध विधाओं के साथ साथ दुर्लभ ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों तथा हस्तलिपियों के रख रखाव, कम्प्यूटरीकरण, संरक्षण प्रदर्शन आदि क्षेत्र से कार्यरत है।

*(Handwritten signature)*

तम संख्या 2722 विक्रय पत्र दिनांक 17 MAY 2018  
 मुद्रांक का मूल्य 100  
 कता का नाम SINDIC  
 पिता का नाम 2104th m) y d f  
 निवास स्थान 1121ac  
 मुद्रांक खरीदने का स्थान एवं करकेत श्री  
 का मुख्यालय श्री

हरजीत कौर  
 स्टेशन विक्रेता  
 जमा 7 MAY 2018  
 लि. नं. 2098/98  
 गुरुनानकपुरा, जयपुर (राज.)

*Handwritten signature in green ink.*

### उद्देश्य:-

1. दुर्लभ ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों का अध्ययन, संरक्षण विधि, संरक्षण, सुरक्षितकरण, कम्प्यूटरीकरण आदि के क्षेत्र में दोनों पक्षों द्वारा अपने अपने स्थानों पर संरक्षित पाण्डुलिपियों का एक दूसरे द्वारा उपयोग करने की सुविधा देना।
2. एक दूसरे के यहां संरक्षित व संग्रहीत दुर्लभ पुस्तको, पाण्डुलिपियों ग्रन्थों, ग्रन्थों की टीकाओं आदि की छाया प्रतियां एक दूसरे को उपलब्ध कराना तथा अवलोकन-प्रतिलिपि प्रदान करना आदि की सुविधा प्रदान करना। जिन पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपि उपलब्ध करवाना नियमानुसार संभव नहीं है उन्हें पठन, अध्ययन हेतु उपलब्ध करवाना।
3. वृन्दावन शोध संस्थान के शोधकर्ताओं के, अधिकारियों के, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर आने पर संस्थान के नियमानुसार निर्धारित न्यूनतम राशि लेकर अतिथिगृह की सुविधा उपलब्ध करवाना तथा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के शोध कर्ताओं, अधिकारियों के वृन्दावन शोध संस्थान आने पर अपने वृन्दावन स्थित शोध संस्थान के अतिथिगृह की सुविधा नियमानुसार निर्धारित न्यूनतम राशि लेकर उपलब्ध करवाना।
4. एक दूसरे द्वारा पाण्डुलिपि की छायाप्रति चाहने पर निर्धारित मूल्य लेकर, जिन पाण्डुलिपियों की छायाप्रति नियमानुसार दी जा सकती है उनकी Photo copy उपलब्ध करवाना।

### आर्थिक सहयोग:-

यह समझौता पत्र किसी प्रकार के आर्थिक सहयोग को सम्मिलित नहीं करता है। प्रथम पक्ष या द्वितीय पक्ष का यात्रा व्यय, छाया प्रति व्यय, प्रकाशन व्यय, इत्यादि का व्यय स्वयं को उठाना होगा। अतिथिगृह में स्थान रिक्त होने पर ही उपलब्ध करवाया जा सकेगा। एक मत होने पर संयुक्त शोध कार्य किया जा सकेगा तथा योजना के अनुरूप विविध सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों, विभागों, मंत्रालयों को शोध प्रस्ताव भिजवा कर आर्थिक सहयोग प्राप्त किया जा सकेगा।

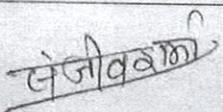
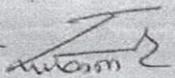
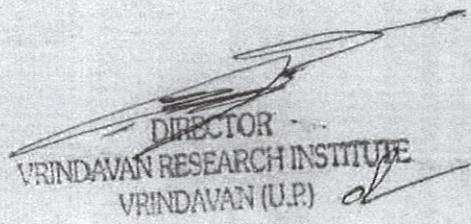
### प्रभावी तिथि एवं अवधि:-

यह MOU समझौता ज्ञापन पत्र दोनों पक्षों के निदेशको अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्तियों/अधिकारियों के द्वारा हस्ताक्षर करने की तिथि से तीन वर्ष तक मान्य होगा तथा आवश्यकता होने पर आपसी सहमति से इसे आगे बढ़ाया जा सकेगा।

किसी भी पक्ष द्वारा कभी भी यह समझौता पत्र निरस्त किया जा सकता है यदि कोई संयुक्त शोध कार्य चल रहा होगा तो उसके पूर्ण होने के पहले निरस्त नहीं किया जा सकेगा।

### बौद्धिक सम्पदा अधिकार:-

संयुक्त शोधकार्य किए जाने की स्थिति में, शोधकार्य के परिणाम स्वरूप प्राप्त शोध, परिणाम पुस्तक आदि पर दोनों संस्थान सम्मिलित बौद्धिक सम्पदा अधिकार रखेंगे तथा एक दूसरे की सहमति के बिना उसका उपयोग, विक्रय, प्रकाशन आदि नहीं कर सकेंगे तथा सहमति से ही कर सकेंगे।

<p>हस्ताक्षर:- </p> <p>निदेशक</p> <p><b>DIRECTOR</b> <b>NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA</b></p> <p>राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति</p> <p>हस्ताक्षर:- </p> <p>साक्षी <b>Prof. R. K. Sharma (Chulet)</b> Cordinator NABH/NAAC N.I.A., Jaipur</p> <p>दिनांक: 1/6/2018</p>	<p>हस्ताक्षर:- </p> <p>निदेशक</p> <p><b>DIRECTOR</b> <b>VRINDAVAN RESEARCH INSTITUTE</b> <b>VRINDAVAN (U.P.)</b></p> <p>वृन्दावन शोध संस्थान, रमणरेती मार्ग वृन्दावन (उ. प्र.) अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति</p> <p>हस्ताक्षर:- </p> <p>साक्षी </p> <p>मुस्तकालयाध्यक्ष वृन्दावन शोध संस्थान रमणरेती, वृन्दावन-281121</p> <p>दिनांक: 20/06/2018</p>
--	---



3. The co-operative relationships between the Parties may embrace activities in the following areas:

- (a) Joint design and delivery of formal Courses and informal Training programmes in the area of various aspects of Ayurveda Education, like introduction of Diploma, Degree and Post-Graduate Degree level Courses, Training Courses in various Panchakarma Therapies etc.;
- (b) The exchange of Faculty Members and Students (both Under-Graduate and Post-graduate);
- (c) Publications in areas of mutual interest;
- (d) Programmes involving the exchange of information and developmental material on a selected basis;
- (e) Joint sponsorship and conduct of conferences, workshops, seminars and training programmes;
- (f) Cooperative development and use of materials and facilities;
- (g) Research and extension programmes and projects;
- (h) Coordinated research and teaching, undertaken jointly or in collaboration with other institutions;
- (i) Scholarship programmes for students;
- (j) Other cooperative efforts as agreed upon from time to time.

4. The Parties shall, in writing, agree upon the financial arrangements, conditions and characteristics of each programme, project and activity.

5. The programmes, projects and activities proposed are subject to availability of resources and financial support.

6. When appropriate, the Parties may jointly pursue the attraction and mobilization of financial resources to execute any agreed programmes, projects and activities under this Memorandum.

7. Financial and/or funding considerations, including in-kind contributions, will be a collaborative effort between the parties.

8. Both parties acknowledge that any Intellectual Property Rights that subsist in either Party are and shall remain their respective properties and will be used by either Party with the written consent of the other and only for the sole purpose and duration of this Memorandum. Where Intellectual Property Rights arise as a result of this Memorandum, the Parties hereby agree to take such necessary action to enter into the relevant legal agreements to protect the creators of and subsequent owners of the intellectual Property Rights.

9. Each party will ensure appropriate protection of Intellectual Property Rights generated from cooperation pursuant to MOU, consistent with their respective laws, rules and regulations and international agreements to which both parties are committed.

Commercialization: In case of research results obtained through joint activities under this MOU both (India) and (Foreign) parties will apply as co-applicants for the protection of intellectual property rights subject to exclusive rights of both the Parties to commercialize the technology in their respective countries. Commercialization in any other country shall be done jointly through a separate agreement.

Publication: Any publication, document and/or paper arising out of joint work conducted by the participants pursuant to this MOU will be jointly owned.

10. All information and/or data that may be exchanged, acquired and shared in connection with the areas of cooperation between the Parties pursuant to this Memorandum shall be treated as strictly confidential and shall not under any circumstances be divulged by the receiving Party to any third party without the prior written consent of the disclosing Party unless otherwise the same has already been in the public domain. This obligation shall continue to bind the parties hereto notwithstanding the termination of this Memorandum.

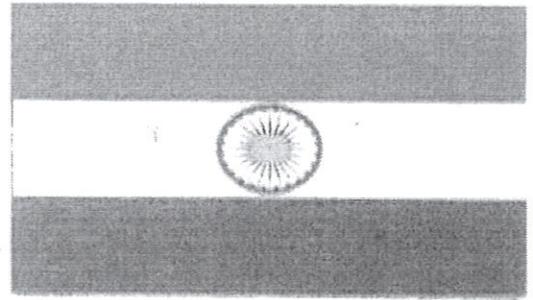
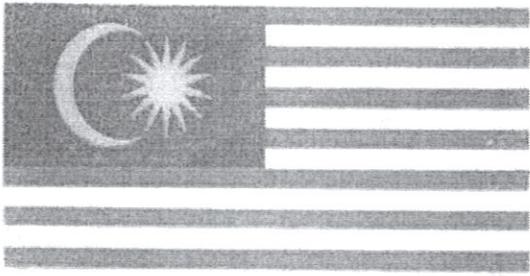
11. Both Parties agree to refrain from using the Emblem, Logo or Trademark of the other Party without first obtaining the written permission of that other Party to do so.

C. P. Dandhich

## Annexure-1

Details	IPGT&RA Jamnagar (Rs.)	NIA, Jaipur (Rs.)
Salary SRF (Ay.) Rs.28000/- + 20%HRA	201600/-	201600/-
Recurring	1,50,000/-	1,50,000/-
Processing etc	50,000/-	50000/-
1. Travel expenses(TA/DA)	50,000/-	50000/-
2. Purchase of small equipments	1,00,000/-	100000/-
3. Contingency (Photography/ videography and other unmet needs) etc.	5,51,600/-	5,51,600/-
Total		





MEMORANDUM OF UNDERSTANDING  
BETWEEN  
NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA  
JAIPUR, INDIA  
AND  
UNIVERSITI TUNKU ABDUL RAHMAN  
MALAYSIA

SIGNED ON 5-12-2016

A handwritten signature in green ink, appearing to be 'SK'.

CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES  
J.L.N.B.C.A.H. Anusandhan Bhawan, No. 61-65, Institutional Area,  
Opp. 'D' Block, Janakpuri, New Delhi

F. No. 3-21/2014-CCRAS/Admn./Safety

Dated: 28 JUNE 2016

OFFICE ORDER NO. 163/2016-17

30  
4/6/16

Sanction of the Director General, CCRAS is hereby conveyed in exercise of the powers conferred upon him under item No. 54 of the schedule-I of Rule 50 of the Rules, Regulation and Bye-law of the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences to incur an expenditure of Rs. 26,03,200/- (Twenty Six Lakh Three Thousand Two Hundred Rupees Only) to Research Officer In charge, CARIC, Mumbai to execute the expenditure to execute the work related to preparation and standardization of identified herbomineral preparation viz. Rasamanikya and Tribhuvan Kirti Rasa as Contingent Advance as per the following projected budget break up and the terms & conditions:

Budgetary Breakup

S. No.	Details	Budgetary requirement (Rs.)
1.	Preparation of identified formulations	
i.	Charges for preparation of identified formulations at IPGT & RA Jamnagar	5,51,600/-
ii.	Charges for preparation of identified formulations NIA Jaipur	5,51,600/-
2.	Recurring	
i.	Procurement of raw drug for 3 centres viz. IPGT & RA Jamnagar, NIA Jaipur and Shree Dhootpapeshwar Ltd., Mumbai	2,50,000/-
ii.	Analytical Charges for three centres viz. IPGT & RA Jamnagar, NIA Jaipur and Shree Dhootpapeshwar Ltd., Mumbai	7,50,000/-
iii.	Travel expenses (TA/DA of investigators, experts etc)	3,00,000/-
3	Contingency	2,00,000/-
	<b>Total</b>	<b>Rs.26,0,3200/-</b>

Terms & Conditions:

- Sanction and Release of an amount of Rs 5,51,600/- (Five Lakh Fifty One Thousand Six Hundred Rupees only) to Director, IPGT & RA Jamnagar and Rs. 5,51,600/- (Five Lakh Fifty One Thousand Six Hundred Rupees only) to Director, NIA Jaipur as per the details given at Annexure-I.
- The procurement of the raw drugs and analysis for the work may be done as per the principles laid down in Chapter 6 of the General Financial Rules 2005 titled "Procurement of Goods and Services".
- The procurement of raw material may be done under the supervision of expert committee constituted for this purpose.
- CARIC, Mumbai being the coordinating centre is responsible for procurement and analysis of identified formulations for all three participating centres.
- The analysis of the raw material, intermediates and finished product as per the details provided by CCRAS Hqrs. will be done in consultation with Chemistry Section, CCRAS Hqrs. {Dr. Ravindra Singh, A.D (Chem.) and Dr. Arjun Singh, R.O. (Chem)} after observing codal formalities as per GFR.

SK

## MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

MAHATMA GANDHI AYURVED COLLEGE, HOSPITAL, AND RESEARCH CENTER  
 DATTA MEGHE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (Deemed to be University),  
 WARDHA

AND

NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA ,AMER ROAD , JAIPUR RAJASTHAN AN  
 INSTITUTE ESTABLISHED BY MINISTRY OF AYUSH,GOVT. OF INDIA HAVING ITS  
 REGISTERED OFFICE AT JORAVAR SIGH GATE, AMER ROAD ,JAIPUR 302002

FOR

RESEARCH, TRAINING PROGRAMS, COLLABORATIVE PROGRAMS ON EDUCATION,  
 FACULTY & STUDENTS EXCHANGE & RESEARCH

Memorandum of understanding Between Mahatma Gandhi Ayurved College, Hospital and Research Center, Swangi Meghe, of Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed to be University), Wardha and National Institute of Ayurveda ,Amer Road , Jaipur Rajasthan An Institute Established by Ministry of Ayush, Govt. of India having its Registered Office at Joravar Sigh Gate, Amer Road ,Jaipur 302002

This Memorandum of Understanding (MOU) this "Understanding " is executed on 23<sup>rd</sup> of the January month of 2018 by and between the Mahatma Gandhi Ayurved College, Hospital and Research Center, Sawangi Meghe, Wardha of Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed to be University) established u/s 3 of the UGC Act, 1956 having its Registered Offices at JNMC Campus, Sawagni, Meghe, Wardha-442001, Maharashtra (here in after referred to as "MGAC of DMIMS (DU)" which expression shall, unless repugnant to the subject or context thereof, be deemed to include and mean to its nominees, successors and permitted substitutes or assigns of the ONE PART

with

National Institute of Ayurveda ,Amer Road , Jaipur Rajasthan an Institute Established by Ministry of Ayush, Govt. of India having its Registered Office at Joravar Sigh Gate, Amer Road ,Jaipur 302002 a premier Institute of Ayurvedic Education & Health Care

निदेशक  
 राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
 जयपुर





Registrar

Page 1 of 7

Datta Meghe Institute of Medical Sciences  
 (Deemed to be University)  
 Sawangi (Meghe) PIN - 442 107

## STANDARD OPERATING PROCEDURE

## RESTRICTED CIRCULATION

## I. RASAMĀṆIKYA

AFI Part I, 20 : 33

(Siddhabhaijyamaṇimāla, Jvaraprakaraṇa: 66)

**Material Required:**

Batch size= 5 Kg

Expected Yield= to be recorded while processing

S.No.	Material	Chemical Name	Material required
1.	Tāla (Haratāla)	Orpiment	5 kg
2.	Sweta Abhraka Patra	White Mica Sheet	QS

**Precautions:**

1. Never use rusted equipments.
2. Contact parts of all the equipments should be of Stainless Steel (304)
3. Cleaning of equipments and weight of raw material should be verified by quality department.
4. Manufacturing chemist/ technicians should wear mask, glove and cap.
5. Lime used for the preparation of Churnodaka should be "Kali Chuna"(Calcium oxide)
6. During the shodhana of haratāla, the level of Churnodaka should be watched and maintained quantity of churnodaka used in shodhana should be recorded.

**Method of Preparation****Acceptance Criteria of Hartal**

Take Patra Haratāla. Physicochemical analysis<sup>#</sup> along with assay of As and S will be recorded before processing.

**Haratāla Shodhan**

1. Weigh the required material as batch size. Remove the foreign material if any and Record the weight.
2. Prepare crush of Haratāla in mortal pestle/a mechanical device. Record the weight. \*

**Churnodak Nirmana**

Take a Stainless Steel vessel and dissolve lime in potable water in a ratio of 1:240 by wt. and keep it for 12 hr then filter through muslin cloth (- ref. Ras Tarangani). Manufacturing unit will record total quantity of Churnodaka consumed while processing.




Faculty and PG & UG students will be exchanged from both Universities every year for different programs like Workshops, Guest Lectures, Short Time Training Courses, Seminars, Short Term Research Programs and Projects Works etc. As agreed by both Universities from time to time.

Utilization of Research Facilities, Joint Research activities

- Faculty and students of both Universities will be allowed, with prior permission, to utilize the research facilities of the Universities by prescribed nominal fee. both Institutions will facilitate the students & faculty by providing access to facilities, guidance of concerned faculty and research Staff.
- Both will promote and facilitate inter-institutional, interdisciplinary research and collaborative research projects by faculty and students of the institutions. Short term research projects, summer research projects etc will be allowed.

### Multi-Centric studies

To provide evidence based clinical research and Multi-center clinical studies will be taken up. Faculty of both Universities will be allowed to projects on collaborative multi-centric studies. Various laboratory facilities, expertise of faculty will be allowed for it.

### Continuation of PG/PhD Thesis Activities

Students of both Universities will be allowed to have extension of their dissertation/ thesis activities utilizing facilities and expertise in these institutions.

### Online Meetings/ Online Guest Lectures

Innovative Methods, Information Communication & Technology will be used to have better interaction among faculty and students of Universities through online guest Lectures, Group Interactions through Skype etc. will be organized.

### Knowledge sharing

Both Universities will share the knowledge through various academic activities, interaction of faculty, students, online discussions etc. They will allow partner Institution to utilize the databases, educational material, case presentations, Practical manuals, dissertations etc.

### Curriculum Development

निदेशक  
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
जयपुर

Dr. K. S. R. PRASAD  
VICE-DEAN (PG)  
MGACH&RC WARDHA (M.S.)

Registrar

Delta Meghe Institute of Medical Sciences  
(Deemed to be University)  
Sawangi (M.S.)  
Wardha Dist. Maharashtra

period of the implementation of this memorandum of Understanding or any other agreements made pursuant to this memorandum of Understanding.

- B. Both parties agree that the provisions of this Article shall continue to be binding between the parties notwithstanding the termination of this memorandum of Understanding.

#### ARTICLE VI: SETTLEMENT OF DISPUTES

Any difference or dispute between the parties concerning the interpretation and/or implementation and/or application of any of the provision of this memorandum of Understanding shall be settled amicably through mutual consultation and/or negotiation between the parties. In case, the dispute occurred between both the parties and if the same is not resolved through negotiation or by adopting amicable measures, in that case the matter will be settled through arbitration and the arbitrator will be appointed with the mutual consent of both the parties.

#### ARTICLE VII: ENTRY INTO FORCE, DURATION AND TERMINATION

This understanding shall come into force and take effect from the date first written above and shall be valid for a period of FIVE (5) YEARS and may be renewed thereafter by the parties upon mutual consent.

This understanding may be terminated by either party by providing 90 (ninety days) written notice to the other party before the beginning of academic year, and the termination would be effective at the end of the notice period.

And the termination of the Understanding shall be on the understanding that students/faculty who have already enrolled in any of the courses/research programs as at the time of termination shall remain entitled to complete their respective courses/research programs and be eligible to appear assessment conducted by the MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR conducted to obtain an award. The obligation of the parties shall continue to be in force during such period, notwithstanding any termination of the understanding.

Now this MOU Witnesses as follows the Roles and Responsibilities of Either party

##### a) Common Responsibilities

- Both institutes have to provide minimal accommodation for students/ faculty of other institute in their institute on nominal costs.
- Students/ faculty have to pay the prescribed fee for the facilities they have used.

निदेशक  
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
जयपुर

*[Signature]*

*[Signature]*

*[Signature]*

Registrar  
Datta Meghe Institute of Medical Sciences  
(Deemed to be University)  
Sawangi (Rajapur) PIN - 442 107  
Wardha Dist. Maharashtra

*[Signature]*

2. Director NIA Jaipur
3. Registrar - DMIMS (DU)
4. Prof. R.K.Sharma, Chief Coordinator (NAAC)- NIA Jaipur
5. Prof. KSR Prasad, Vice Dean, MGACHRC, Wardha

d) **Coordinators of each center**

- At DMIMS (DU), the Registrar or Prof. KSR Prasad will oversee the implementation of the memorandum of Understanding.
- At NIA Jaipur, Prof .R.K.Sharma, will oversee the implementation of the memorandum of Understanding.

Any variations or amendment or addition of/ to this Understanding shall be mutually agreed to in writing and executed by or on behalf of each of the parties, the MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR.

This Understanding represents the entire understanding as to the subject matter hereof and supersedes any prior understanding between the parties on the subjects matter hereof.

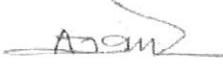
In witness whereof, the parties hereto have executed this understanding as of the date first above mentioned.

Sealed & signed for and on behalf of

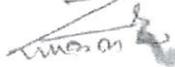
Sealed & Signed for and on behalf of

  
Director, NIA Jaipur  
राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय  
जयपुर

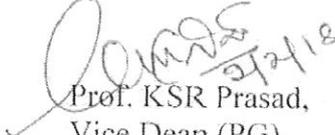


  
Registrar  
Registrar  
DMIMS (Deemed to be University)  
Datta Meghe Institute of Medical Sciences  
(Deemed to be University)  
Sawangi (Meghe) PIN - 442 107  
Wardha Dist. Maharashtra

Seal & Sign of Witness

  
Prof. R.K.Sharma,  
Chief Coordinator (NAAC)  
NIA Jaipur

Seal & Sign of Witness

  
Prof. KSR Prasad,  
Vice Dean (PG),  
MGACHRC, Wardha  
Dr. K. S. R. PRASAD  
Vice - Dean (PG)  
MGACHRC & R. Wardha (M.S.)

- Institutions have to facilitate for easy exchange programs and collaborative work. Administrative hurdles to be cleared at higher level by clear transparent methodology.
- Periodic meeting of co-ordinations should be arranged to have collaboration and co-operation among faculty of two universities.
- Both parties understand that all financial arrangements will have to be negotiated and will depend on the availability of funds.

**b) Roles & Responsibilities of NIA Jaipur and MGAC of DMIMS (DU)**

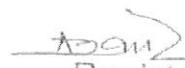
- MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR will facilitate for collaborative activities in teaching, education and research. Both will arrange facilities for conducting activities including in house and visiting members from academic institutes.
- MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR shall also arrange to appoint a Coordinator who shall be available at the Centre where the programs being offered, in order to facilitate proper coordinator between the MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR covering all aspects relating to conduct of training, research and all other activities coming within the ambit of conducting such programs
- All students will be governed by the regulation of respective parent institutions, i.e. MGAC of DMIMS (DU) or NIA JAIPUR, as specific to the course or program offered, which shall be provided by the MGAC of DMIMS(DU) or NIA JAIPUR to the students at the start of the course/ program.
- MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR shall maintain both in physical as well as in an electronic format (wherever possible or available) the details (including academic records) of all students/ faculty enrolled for the programs, and shall provide the same to MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR on request.
- NIA JAIPUR will allow to utilize its facilities for education, teaching and research collaboration, where in the MGAC of DMIMS (DU) will allow the all facilities of the research available at MGAC premises and CRL of DMIMS. From both DMIMS (DU) and NIA JAIPUR faculty will provide guidance time to time.

**c) Miscellaneous:**

- A Co-ordination Committee consisting of the following will monitor the academic and research programs and all related operational activities.

**1. Vice Chancellor- DIMIMS(DU)**

  
Dr. K. S. PRASAD  
Vice-Chancellor  
MGAC H & R, WARDHA (M. S.)

  
Registrar

Datta Meghe Institute of Medical Sciences

Wardha, Maharashtra Page 6 of 7

Phone: 020-2261-107

Fax: 020-2261-107

Website: www.dattameghe.edu.in



  
निदेशक  
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
जयपुर





## Warning



"The contents of this certificate can be verified and authenticated world-wide by any members of the public at [www.shcilestamp.com](http://www.shcilestamp.com) or at any Authorised collection center address displayed at [www.shcilestamp.com](http://www.shcilestamp.com) free of cost."

"Any alteration to this certificate renders it invalid. Use of an altered certificate without all the security features could constitute a criminal offence"

"This document contains security features like coloured background with Lacey Geometric Flexible patterns and Subtle Logo images, Complex ornamental design borders, Anti - copy text, the appearance of micro printing, artificial watermarks and other Overt and Covert features."



- Both Universities will work in this area of Curriculum development by organizing workshops, brain storming sessions, skill development programs, CME programs collaboratively. They will to create better teaching methodology, evaluation methods, feedback methods, multimedia in teaching, and simulated practical for Ayurveda.
- Participation in seminars and academic developments
- Planning Joint International Conferences and Workshops.
- Planning Research Publications in the Journals published by each University
- Implementation of Joint Educational Programs in each University within the identified areas.
- Exchange of academic materials and other information
- The terms of such mutual co-operation and necessary budget for each specific Program and activity that is implemented under the terms of this MoU. Each Institution will designate a Liaison Officer to develop and co-ordinate specific activities or programs.

#### ARTICLE III: FINANCIAL ARRANGEMENTS

- The financial arrangements to cover expenses for the identified research activities undertaken within the framework of this memorandum of understanding shall be mutually agreed upon by both the parties on a case- by - case basis subject to availability of funds.

#### ARTICLE IV: PROTECTION OF INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS

- a) The protection of intellectual property rights shall be enforced in conformity with the national laws, rules regulation.
- b) Not with standing anything in paragraph ( a) above, the intellectual property rights in respect of any technological development, and any products and services development, carried out:
  - i. Jointly by the parties or research results obtained through the joint activity effort by the parties, shall be jointly owned by the parties in accordance with the terms to be mutually agreed upon and
  - ii. Solely and separately by the party or the research results obtained through the sole and separate effort of the party, shall be solely owned by the party concerned,
  - iii. The terms and conditions in the execution of the research projects shall be decided on case to case basis.

#### ARTICLE V: CONFIDENTIALITY

- A. Each party undertakes to observe the confidentiality and secrecy of documents, information and other data received from, or supplied to, the other party during the

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
जयपुर

Dr. K. S. R. PRASAD  
Vice-Dean (PG)  
MGACH & RC, WARDHA (M.S)

Registrar  
Datta Meghe Institute of Medical Science  
(Deemed to be University)  
Sawangi (Meghe) Pin - 442 107  
Wardha Dist. Maharashtra



## केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्

आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार  
 नववहन लान केन्द्र भारतीय विज्ञान एवं होम्योपैथी अनुसंधान मन्दिर  
 61-65, स्वरिच्यनिक क्षेत्र, समुद्र 'डी' ब्लॉक, जवाहरपुरी, नई दिल्ली 110058  
**CENTRAL COUNCIL FOR RESEARCH IN AYURVEDIC SCIENCES**  
 Ministry of AYUSH, Govt. of India

Jawahar Lal Nehru Bhartiya Chikitsa Evam Homoeopathy Anusandhan Bhawan  
 61-65, Institutional Area, Opp 'D' Block, Janakpur, New Delhi-110058

ग्राम : आयुष  
 Gram : "AYUSH"  
 Fax : 28520748  
 EPBX  
 28523652, 28520501  
 28522524, 28525831  
 28525867, 28525883  
 28525897

F. No.: 3-8/2017-CCRAS/Tech/HQ./1734

To,

Dated: 12.09.2017

12 SEP 2017

<b>Dr. B. J. Patgiri,</b> Head of Department Rasa Shastra & Bhaishajya Kalpana IPGT&RA, Gujarat Ayurved University, Jamangar - 361008	<b>Dr. R.V. Gudi,</b> Managing Director, Shree Dhoot Papeshwar Limited 135, Nanu Bhai Desai Road Khetwadi Mumbai- 400004	<b>Dr. P. Suresh</b> Associate Professor Department of Rasa Shastra & Bhaishajya Kaipana National Institute of Ayurveda, Amer Road Jaipur -302002
---	---	--

Sub: Modified SOP of Rasa Manikya, Tribhuvankirti Rasa & BMR for preparation of  
 Ayurvedic Herbo -mineral formulation- reg.

Sir,

I am directed to refer your email dated: 07.09.2017 received from Dr. P. Suresh, Associate Professor, NIA Jaipur regarding SOP<sub>2</sub> of Rasa Manikya and Tribhuvankirti Rasa for alternation. In this connection I am convey the modified SOP<sub>2</sub> of Rasa Manikya and Tribhuvankirti Rasa & BMR for further necessary action.

You are requested to furnish the progress report may be intimated to this council from time to time.

Yours faithfully,

(N. Srikanth)

Deputy Director General  
 For Director General

Encl: as Above

Copy to:

1. Dr. R.G. Reddy, Assistant Director-in-charge, Central Ayurveda Research Institute for Cancer, RA Podar College, Worli, Mumbai-400018 for information.
2. Sr. PS to DG-CCRAS,
3. PS to DDG/PS to DDA

For Director General

Services, Research in Jaipur Rajasthan (Here in after referred to as "NIA JAIPUR, which expression shall, unless repugnant to the subject or thereof, be deemed to include and mean to its nominees, successors and permitted substitutes or assigns) on another PART either or both of which may be referred to as a "party " or the "parties" respectively as the context demands.

#### WHERE AS

A. The NIA Jaipur desire to collaborate in the field of intra and interdisciplinary research, Ayurved Medical Education, Panchakarma Ergonomic, Drug Development, Faculty and student exchange Program for the mutual benefit by utilizing the expertise and infrastructure existing in both Institutions.

B. Based on the strengths of the MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR, the MGAC of DMIMS (DU) is desirous of collaborating with NIA JAIPUR, which would provide Education / Research Program/ Faculty & Student Exchange Academic Programs.

MOU is to establish hereby a formed understanding of co-operation and friendship which is intended to have further the academic objective of each institution and to promote better understanding between the faculty and students of MGAC of DMIMS (DU) and the faculty and students of NIA JAIPUR.

Under this memorandum of understanding the two Institutions will proceed to implement the following endeavors and exchanges of materials and personnel.

#### ARTICLE 1: OBJECTIVE

The parties, subject to the terms of this memorandum of Understanding and the laws, rules, regulations and national from time to time in force, agree to strengthen, promote and develop co-operations in the field of Indian system of medicine (Ayurveda) and inter Disciplinary Medicine between the two Institutions.

#### ARTICLE II: AREAS OF CO-OPERATION

Co-operation shall be carried out, subject to availability of funds and the approval of the competent authority of MGAC of DMIMS (DU) and NIA JAIPUR, through such activities or programs as:

Exchange Programs:

- Teachers
- PG Scholars

  
Registrar

Datta Meghe Institute of Medical Sciences  
(Deemed to be University)  
Sawangi (Mogh) Dist - 442 107  
Wardha Dist Maharashtra

  
K.S.R. PRASAD  
Vice-Dean (P.G.)  
MGAC, DMIMS (DU)  
NIA JAIPUR  
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान  
जयपुर  
निदेशक

## STANDARD OPERATING PROCEDURE

## RESTRICTED CIRCULATION

1. Take small pieces of Haratala, bundle it in Cloth Pottali and subject to Svedana in Dola Yantra containing churnodak (Lime water). Maintain the temperature of churnodak within range of 100-105 °C for swedana process for a period of 6 hours, Maintain the volume of the churnodak by intermittent filling. Maintain the level of the pottali in the mid of the churnodak during the process of shodhana.
2. Procure the shodhit haratal from the churnodak pottali. Wash it with the potable water and dry it in sun/tray dryer (Temperature range 55±5°C). Record the weight. *(Sample to be drawn)*

Method of preparation of Rasa Manikya

1. Take transparent Sweta abhraka (white mica) for samputikarna process.
2. Prepare coarse powder of Shuddha haratala (mesh size# 40)
3. Put powder of shodhit haratala in between two sheets of mica.
4. Maintain the thickness of the shodhit Haratala powder layer in between mica sheets within a range of 2-5 mm.
5. Clip the edges of mica sheet with the help of U pin (Stainless Steel)
6. Keep thick SS pan over coal hearth, place the abhrak samputa over it and keep another heavy SS pan over it. Heat and maintain the moderate temperature (indicative range of 200-350°C) Work Instruction (WI)-actual temperature range will be recorded while processing
7. Keep Changing the side of the Samput with the help of pair of tongs till the layer of powder melts and verify for the attainment of proper colour (viz. Ruby colour) in shodhit haratal layer.
8. Stop heating.
9. Allow to cool at room temperature to 37° C.
10. Unclip the edges of the mica sheets and collect the Rasa Manikya.
11. Discard unconverted powder part if any.
12. Repeat the process steps from 1 to 10 till all the total quantity of shodhit Haratala get converted into Rasa Manikya
13. Grind and sift through mesh size no 100. Record the weight *(Sample to be drawn)*
14. Pack and store in air-tight container to protect from light and moisture.




# MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Between

**UNIVERSITI TUNKU ABDUL RAHMAN**

Malaysia

AND

**NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA**

Jaipur, India

- 1) **UNIVERSITI TUNKU ABDUL RAHMAN**, a private university registered under the Malaysian Private Higher Educational Institutions Act 1996, wholly owned by UTAR Education Foundation [Company No. 578227-M] (hereinafter referred to as "UTAR") of the One part; and
- 2) **THE NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA, JAIPUR** an apex Institute under the Ministry of AYUSH, Government of the Republic of India, (hereinafter referred to as "NIA"). Hereinafter referred to individually as "Party" and jointly as the "Parties".

## WHEREAS:

- A. UTAR is a university offering courses in undergraduate and postgraduate programmes and engages in the provision and conduct of research, consultation, management and leadership training and other related educational services in Malaysia.
- B. NIA is an apex Institute of Ayurveda in India engaged in higher education, research, training and treatment aspects of Ayurveda.
- C. The Parties are desirous of strengthening their association in Ayurvedic Education, Training, Research, Popularization of Ayurveda in Malaysia, and hereby agree that a Memorandum of Understanding be drawn up as an initial step in this process. The parties intend that to these ends, the provisions of this Memorandum of Understanding shall be carried out in a spirit of good faith and good will.
- D. The Parties recognize that the implementation of this Memorandum depends upon intellectual interest, expertise of staff members, administrative interest and availability of financial resources.

**Recalling** the Memorandum of Understanding (MoU) between the Government of the Republic of India and The Government of Malaysia on 'Cooperation in the Field of Traditional Systems of Medicine' signed in Putrajaya, Malaysia on 27 day of October, 2010;

**Noting** the excellent ongoing collaboration in the field of Ayurveda, pursued through implementation of the decisions of the India-Malaysia Technical Committee on Traditional Systems of Medicine set up between the Ministry of AYUSH, Government of the Republic of India and Ministry of Health, Malaysia;

## HAVE REACHED the following understanding:

1. The Parties agree to undertake to strengthen, promote and develop cooperation in the field of Education, Training, Research, Publication, and Popularization of Ayurveda System of Medicine etc. on the basis of equality and mutual benefit.
2. The programmes and activities envisaged under this Memorandum will be carried out by the staff members and students of the UTAR, the staff of NIA and any other mutually approved staff of other organizations.

O. P. Dadhich

6. The Institute will submit the monthly /quarterly expenditure statements along with the progress reports regularly
7. The institute shall maintain separate register to record all the expenses related to the project for audit purposes.
8. The final utilization certificate for the said work along with expenditure details will be furnished to the Council immediately after completion of the work.
9. The observations derived from these studies will not be communicated to any other party without Council's permission.
10. Duration of the completion of this work will be 06 (Six) months.

The expenditure is debitible to the Plan budget of the HQs Office for the year 2016-17 under sub-head "Research Activities".

23.7.2016

(H. O. Kaushik)

Administrative Officer (B&V and Admin.)  
For Director General

The Accounts Officer: He is requested to release the sanctioned amount of Rs. 26,03,200/- (Twenty Six Lakh Three Thousand Two Hundred Rupees Only) favour of R.O. In charge CARIC, Mumbai. A separate account for release of fund expenditure is to be maintained to monitor the financial progress.

Copy to:-

1. Director, IPGTR&A, Jamnagar for information and necessary action.
2. Director, National Institute of Ayurveda, Amer Road, Jaipur 302002 for information and necessary action.
3. Sh. Ranjit Puranik, Executive Director, Sree Dhootapapeshwar Ltd. 135 Nana Bhai Desai Road, Khetwadi, Mumbai 400004 for information.
4. Prof. B.J. Patgiri Department of Rasashastra, Bhaishajya Kalpana and drug research at IPGTR&A, Jamnagar for necessary action.
5. Dr. P. Suresh, Associate Professor, Department of Rasashastra, National Institute of Ayurveda, Amer Road, Jaipur 302002 for necessary action.
6. Vd. R.V. Gudi, Sree Dhootapapeshwar Ltd. Mumbai with request to extend support to CARIC, Mumbai for issues related to procurement of raw material and analysis.
7. Dr. N. Srikanth, A. D. (Ay.), Deputy Director General In-charge, CCRAS for information.
8. Dr. S.N. Gaidhani, A. D. (P'ecology.), Programme Officer, CCRAS for information.
9. Dr. Ravindra Singh, A.D (Chem.) and Dr. Arjun Singh, R.O. (Chem) for coordination and supervision of all the issues related to analysis of raw material, intermediate and finished product as per the requirement in consultation with R.O. In-charge CARIC, Mumbai. They are further directed to process all the related issues through Technical file no.3-9/2015-CCRAS/Tech/Hq.
10. Dr. B.S. Sharma, R. O. (Ay.) and Dr. Shruti Khanduri, R. O. (Ay.) for coordination of issues related to SoPs of identified formulations.
11. Sr. PS to Director General, CCRAS.
12. PS to DDG I/c / PS to DD (A).
13. Office Order file

For Director General

12. This Memorandum shall come into effect on the date of its signature of the Parties and shall remain in force for a period of 5 (five) years. Thereafter, it may be renewed subject to the mutual agreement of the Parties, confirmed in writing.

13. The Parties may modify this Memorandum by mutual written agreement. A Party wishing to make a proposal for modification of the Memorandum shall do so in writing to the other Party not less than ninety (90) days prior to the effective date proposed for such modification.

14. Either Party may terminate this Memorandum for what it considers to be just cause at any time upon six (6) months prior notification in writing to the other Party. In the event of such termination by either Party, such terminating Party will be required to satisfactorily discharge any liabilities that it has incurred up to the date of termination. Such termination may be taken only after due consultation with other Party in an effort to minimize potential inconvenience to the other Party and should not have an effect on activities in progress under the existing Memorandum.

15. This Memorandum is not intended to be a legally binding document, rather, it is meant to describe the nature and cooperative intentions of the Parties, and to suggest guidelines for cooperation.

16. To ensure the effective operation of this Memorandum, the Parties undertake to establish and maintain liaison contacts, and accordingly, have identified the following Persons to whom any communication about the operation this Memorandum is to be addressed:

For **UNIVERSITI TUNKU ABDUL RAHMAN**

Name: Ir. Prof. Academician Dato'  
Dr. ChuahHeanTeik,  
President/CEO

Address: UTAR, JalanSg. Long,  
Bandar Sg. Long, Cheras,  
43000 Kajang, Selangor D.E.  
Malaysia

For **NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA**

Name: Dr. Meeta Kotecha  
Professor & Head  
Department of Dravya Guna  
(Materia Medica & Pharmacology)  
Address: Madhav Vilas Palace,  
Jorawar Singh Gate, Amer Road  
Jaipur- 302002 (Rajasthan)  
India

17. Any difference arising out of the interpretation, implementation or application of this Memorandum shall be settled amicably through consultation or negotiation between the Parties.

IN WITENSS WHEREOF, the undersigned being duly authorised thereto, by their respective parties, have signed this Memorandum.

Signed at Jaipur, India on 05 December, 2016 in two originals in the English language.

For and on behalf of the  
**UNIVERSITI TUNKU ABDUL RAHMAN**

Name: **Tun Dr. Ling Liong Sik**  
Designation: **Chairman, UTAR Council**

In the Presence of:

**Prof. Dr. Yap Sook Fan**  
Deputy Dean  
Faculty of Medicine and Health Sciences  
Universiti Tunku Abdul Rahman

For and on behalf of the  
**NATIONAL INSTITUTE OF AYURVEDA**

Name: **Prof. Sanjeev Sharma**  
Designation: **Director**

In the Presence of:

**Dr. Om Prakash Dadhich**  
Dean(Academic) and Associate Professor & Head  
Department of Sharir Kriya(Physiology)  
National Institute of Ayurveda